



हमारी नदियां और जल स्रोत हमें जीवन देते हैं।

प्लास्टिक की बोतले, थैलियां, बाल, हारफूल आदि कचरा फेंककर इन्हें कूड़ेदान ना बनाएं। स्वयं भी ऐसा ना करें और दूसरों को भी ऐसा न करने दें।

इनकी पवित्रता बनाए रखें। स्मरण रहे, आपके जल स्रोत जब तक जीवित एवं स्वच्छ रहेंगे, तब तक ही आपका जीवन है। नर्मदे हर।

आदर्श अखबार

आदर्श इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस, AIMS धामनोद का विद्यार्थियों के लिए एक नि:शुल्क उत्कृष्ट प्रकाशन

1 दिसम्बर 2025 क्र. 15

शैक्षणिक भ्रमण रिपोर्ट



Commerce -

दिनांक 22/11/2025 को Adarsh Institute of Management and Science (AIMS), Dhamnod में बी.कॉम.

द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के 50 छात्र-छात्राओं ने मंगलवार को देश की प्रमुख टेक्सटाइल यूनिट MARAL OVERSEAS LIMITED का औद्योगिक भ्रमण किया। कंपनी के VICE PRESIDENT MANOJ THAKKAR(HR) ने स्वयं छात्रों को फैक्ट्री के विभिन्न विभागों का दौरा करवाया और उत्पादन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।

शिक्षकों ने बताया कि इस तरह की औद्योगिक विजिट छात्रों के तकनीकी ज्ञान में वृद्धि करती है और उन्हें वास्तविक उद्योग-परिस्थिति, मशीन संचालन तथा गुणवत्ता नियंत्रण की महत्वपूर्ण समझ प्रदान करती है।

छात्रों ने इस अनुभव को बेहद सीखपूर्ण और प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि यह दौरा उनके करियर निर्माण में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा।



Zoology -

दिनांक -18/11/2025 को प्राणीशास्त्र विभाग के द्वारा प्रथम और तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों का शैक्षणिक

भ्रमण बापना सीड्स गोवावा (खरगोन) में किया गया। बापना सीड्स कंपनी में विभिन्न प्रकार के बीज को तैयार करना, सप्लाय और बीज का कैसे ट्रीटमेंट किया जाता है उसके बारे में समझाया। और वहां पर जितने भी उपकरण थे उनके बारे में विस्तृत जानकारी दी, इसके साथ कोल्ड स्टोरेज में बीज को कैसे सुरक्षित रखा जाता है उसके बारे में समझाया।

बीज को पैकिंग करके मार्केट में दुकानों तक भेजने की पूरी प्रोसेस आदि के बारे में जानकारी दी। और छात्र-छात्राओं को अपना कम्युनिकेशन, स्किल्स एवं क्रिएटिविटी लाने को कहा, कि आप सभी इसमें अपना नॉलेज ज्यादा बढ़ाएं। जिससे ज्यादा से ज्यादा आप सभी कंपनी के प्रोडक्शंस में ओर अन्य फील्ड में जहां आप भविष्य में जाना चाहते हैं वहां अपना 100 प्रतिशत दे उसके बारे में बताया।

युवा उत्सव संभाग स्तर 2025

दिनांक 12/11/2025 (बुधवार) एवं 13/11/2025 (गुरुवार) को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में दो दिवसीय युवा उत्सव-2025-26 का तृतीय चरण आंतर जिला विश्वविद्यालय स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 19 विधाओं में से 14 विधाओं में जिला स्तर पर विजेता रहे आदर्श महाविद्यालय, धामनोद के प्रतिभागियों के द्वारा सम्पूर्ण धार जिले का प्रतिनिधित्व इन विधाओं में से कुल 11 विधाओं में विश्वविद्यालय स्तर (संभाग स्तर) पर किया गया।



महाविद्यालय में मुस्कान अभियान पर विशेष कार्यक्रम आयोजित



AIMS कॉलेज धामनोद के टी आई श्री प्रवीण ठाकरे जी के आगमन पर नशा मुक्ति और मुस्कान अभियान पर विशेष कार्यक्रम आयोजित।

धामनोद, 20 नवंबर 2025 — आदर्श इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस (AIMS), धामनोद में गुरुवार को एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में धामनोद के *टाउन इंस्पेक्टर श्री प्रवीण ठाकरे का आगमन हुआ, जहां उन्होंने विद्यार्थियों को नशा मुक्ति अभियान तथा मुस्कान अभियान के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

टीआई श्री प्रवीण ठाकरे जी ने छात्रों को नशे से होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों, युवाओं पर इसके सामाजिक और मानसिक प्रभावों तथा इससे बचने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की।

साथ ही, उन्होंने 'मुस्कान अभियान' के अंतर्गत महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, सहायता और पुलिस द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के बारे में भी जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान, प्राचार्य डॉ. यशपाल व्यास सर, अकादमिक प्रभारी काशीराम धनगर सर एवं प्रशासनिक अधिकारी श्री अमित वर्मा सर सहित महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे। कॉलेज प्रबंधन ने टीआई ठाकरे जी का स्वागत कर उन्हें विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना और उन्हें नशे से दूर रखने के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान करना था। जय हिंद।

विश्व :

*स्लोवेनिया में लोगों ने वोटिंग कर इच्छामृत्यु को लागू करने वाले कानून को रोक दिया है। इस कानून को स्लोवेनिया कि संसद ने जुलाई में पास किया था, अब यह कानून एक साल तक लागू नहीं किया जाएगा।

*ब्राज़ील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो को वहां कि सुप्रीम कोर्ट ने तख्तापलट कि साजिश के मामले में 27 साल की सजा सुनाई।

देश :

*उत्तराखंड के चमोली में स्थित बद्रीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए हैं, इस प्रक्रिया के दौरान गढ़वाल राइफल्स का बैंड ने पारंपरिक धुन बजाई। जोशीमठ के नरसिंह मंदिर में होगी शीतकालीन पूजा।

*PM मोदी गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर समागम में शामिल हुए, उन्होंने गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित किताब का विमोचन किया और सिक्का भी रिलीज किया।

*संसद के सेंट्रल हॉल में बुधवार को 150 वां संविधान दिवस मनाया गया। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान को 9 नई भाषाओं मलयालम, मराठी, नेपाली, पंजाबी, बोडो, कश्मीरी, तेलुगु, ओडिया और असमिया में जारी किया।

* भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस सूर्यकांत ने ली शपथ, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिलाई शपथ।

* हिंदी सिनेमा के ही-मेन अभिनेता धर्मेन्द्र का 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। इस दौरान परिजनों के अलावा अमिताभ बच्चन, सलमान खान सहित कई हस्तियाँ अंतिम विदाई देने पहुँची। प्रधानमंत्री मोदी ने भी दी श्रद्धांजलि।

इनसे मिलिए - UPSC Topper



भारतीय प्रशासनिक सेवा (UPSC) वर्ष 2025 की प्रावीण्य सूची में उत्तर प्रदेश के ग्राम रामपुर की शक्ति दुबे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

शक्ति दुबे का यह पांचवा प्रयास था। इसके पूर्व वह चार बार असफल रही, अपने प्रयास में वह एक बार साक्षात्कार की प्रक्रिया से गुजरी लेकिन सफलता नहीं मिल सकी और उन्होंने इसे छोड़ने का मन बना लिया था लेकिन अपने पांचवे और अंतिम प्रयास में उन्होंने यह अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की।

शक्ति दुबे के पिता उत्तर प्रदेश पुलिस में सब इंस्पेक्टर हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि प्राप्त करने के बाद आपने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से बायो केमिस्ट्री में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की हैं। कुछ समय अध्यापन कार्य करने के बाद आपने भारतीय प्रशासनिक सेवा की तैयारी प्रारंभ की।

विज्ञान में स्नातक और स्नातकोत्तर उपाधि होने के उपरांत भी शक्ति दुबे ने अपनी प्रशासनिक सेवा परीक्षा तैयारी में राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध जैसे वैकल्पिक विषयों को चुना।

शक्ति दुबे कहती है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा परीक्षा अत्यधिक कठिन हैं तथा सफलता के लिए कठोर परिश्रम की आवश्यकता होती हैं। यह आवश्यक नहीं है कि एक परीक्षार्थी 16 से 18 घंटों तक परिश्रम करें लेकिन यदि वह 8 से 10 घंटे नियमित रूप से अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करें सही एवं सर्वोत्तम पुस्तकों का चुनाव कर उनका चिंतन और मनन करें, अपनी गलतियों को समझने का प्रयास करें, उन्हें दोहराए नहीं तो सफलता सुनिश्चित हैं।

स्वयं में विश्वास रखें और आगे बढ़ें।

आदर्श अखबार परिवार की ओर से अनेकानेक शुभकामनाएं।

प्रदेश :



मध्य प्रदेश के सिवनी में पेंच टाइगर रिजर्व में लोहे के स्क्रैप से बनी दुनिया की सबसे बड़ी बाघ की कलाकृति का अनावरण किया गया है, जिसने अमेरिका के जॉर्जिया के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा है। यह 17.5 फीट ऊंची और 40 फीट लंबी कलाकृति, जो "मिशन लाइफ" के (3R) (रिड्यूस, रियूज, रीसाइकिल) सिद्धांत पर आधारित है, को स्थानीय कलाकारों ने करीब 200 दिनों में 10 टन स्क्रैप लोहे का उपयोग करके बनाया है। स्थान: पेंच टाइगर रिजर्व, सिवनी, मध्य प्रदेश। आयाम: 17.5 फीट ऊंची और 40 फीट लंबी। सामग्री: लोहे का स्क्रैप (पुरानी साइकिल, पाइप, जंग लगी चादरें और अन्य बेकार सामान)। निर्माण: स्थानीय कलाकारों द्वारा 200 दिनों में पूरा किया गया। संदेश: कला, पर्यावरण संरक्षण और "मिशन लाइफ" के (3R) सिद्धांत (कम करना, पुनः उपयोग करना, पुनर्चक्रण करना) को बढ़ावा देना। रिकॉर्ड: इसने अमेरिका के जॉर्जिया में मौजूद पिछले विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा, जो 8 फीट ऊंचा और 14 फीट लंबा था। आगे की प्रक्रिया: गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

खेल समाचार :

* ICC मेन्स T20 वर्ल्ड कप 2026 का शेड्यूल जारी हुआ, भारत बनाम पाकिस्तान का मैच कोलंबो में होगा, और फाइनल अहमदाबाद में खेला जाएगा (अगर पाकिस्तान फाइनल में पहुंचता है तो फाइनल श्रीलंका में होगा)।

* रोहित शर्मा को 2026 टी20 वर्ल्ड कप का टूर्नामेंट एंबेसडर बनाया गया है।

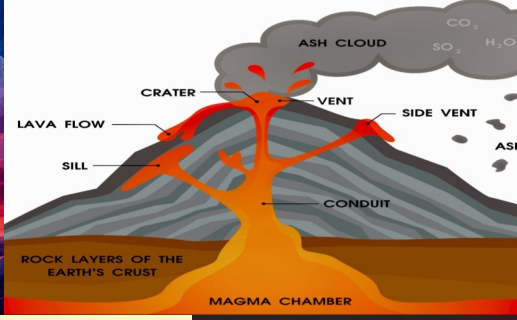
* भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका कि 2 दिवसीय टेस्ट थ्रिंखला में दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 2-0 से मात दे दी है। भारत 93 साल के अपने टेस्ट इतिहास में पहली बार 400 रनों से ज्यादा के अंतर से हारा है। एक साल पहले तक घर में अपराजेय माने जाने वाली भारतीय टीम इस समय घरेलू मैदानों पर दुनिया की सबसे कमजोर टीमों में शामिल हो गई है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2027 की रेस में भारत अब पाकिस्तान से भी पीछे।

* भारत की दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार आयोजित टी-20 विश्व कप का खिताब जीता।

* भारतीय महिला कबड्डी टीम ने दूसरी बार जीता वर्ल्ड कप।

* भारत को राष्ट्रमंडल (commonwealth) गेम्स 2030 की मेजबानी मिली, अहमदाबाद में आयोजित होंगे खेल।

इथियोपिया में 12 हजार साल बाद ज्वालामुखी फटा



इथियोपिया का हेली गुब्बी ज्वालामुखी 12 हजार साल बाद अचानक रविवार को फट गया। इस विस्फोट से उठने वाली राख और सल्फर डाइऑक्साइड करीब 15 किमी ऊंचाई तक पहुंच गई। यह लाल सागर पार करते हुए यमन और ओमान तक फैल गई। सोमवार रात करीब 11 बजे यह राख इथियोपिया से 4300 किमी दूर दिल्ली के आसमान पर भी छा गई थी। अब यह राख भारत पर से हट गई है और चीन की तरफ बढ़ रही है। इंडिया मेट स्काई वेदर अलर्ट ने इसके बारे में जानकारी दी है।

इस गुबार की वजह से एअर इंडिया ने अपनी 11 उड़ानें रद्द कर दी थी। एक्सपर्ट्स ने बताया था कि इस गुबार की ऊंचाई इतनी ज्यादा थी कि आम लोगों की जिंदगी पर इसका असर काफी कम हुआ।

राख ने 4300 km की दूरी तय की



देश परिचय : स्पेन

भौगोलिक स्थिति : स्पेन यूरोप महाद्वीप का एक सुंदर, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश है। इसका आधिकारिक नाम किंगडम ऑफ स्पेन (Kingdom of Spain) है। यह अपनी कला, स्थापत्य, समुद्री तटों, फुटबॉल और प्राचीन इतिहास के लिए विश्व-प्रसिद्ध है।

राजधानी : मैड्रिड (Madrid)

जनसंख्या : लगभग 5 करोड़

मुद्रा : यूरो

मुख्य भाषा: स्पेनिश Spanish

प्रमुख नगर : बार्सिलोना, वेलेंसिया, सेविल, ज़रागोज़ा

उद्योग : पर्यटन, कृषि (जैतून, अंगूर, खट्टे फल), ऑटोमोबाइल वस्त्र, खनिज।

प्रमुख धर्म: रोमन कैथोलिक ईसाई धर्म।

संस्कृति: स्पेन की संस्कृति फलैमेंको नृत्य, पाब्लो पिकासो जैसे महान कलाकारों और रोमन स्थापत्य के लिए प्रसिद्ध है।

यहाँ के प्रमुख उत्सव: टोमेटिना, रनिंग ऑफ द बुल्स, सेमाना सांता।

प्रमुख नदियाँ: एब्रो नदी, टैगस नदी, गुआडालकिवि नदी

प्रमुख पर्वत: पाइरेनीज पर्वत (Pyrenees), सिएरा नेवादा।

खनिज : कोयला, लोहा, सोना, तांबा, सीसा, जिंक, पारा

झील : सैनाब्रिया, बैन्योल्स, लागुनास।

पर्यटन स्थल : बार्सिलोना फ़मिलिया, पार्क गुएल, मैड्रिड रॉयल पैलेस, प्राडो संग्रहालय, सेविले सेविले कैथेड्रल, प्लाजा डी एस्पाना, ग्रेनाडा (अल्हाम्ब्रा पैलेस), वालेंसिया।

विशेषताएँ -स्पेन का फुटबॉल विश्वभर में प्रसिद्ध है—Real Madrid और FC Barcelona जैसे क्लब।

स्पेन दुनिया में जैतून के तेल का सबसे बड़ा उत्पादक है।

यह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की संख्या में शीर्ष देशों में शामिल है।

साउथ अफ्रीका में G-20 समिट



पीएम मोदी ने जोहान्सबर्ग में शनिवार को G20 समिट में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और दुनियाभर के नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान ब्राजीली राष्ट्रपति लूला डि सिल्वा को उन्होंने गले लगा लिया। इसके बाद मोदी ने समिट के पहले सेशन में भाषण दिया। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों पर भारत का नजरिया दुनिया के सामने रखा। मोदी ने पुराने डेवलपमेंट मॉडल के मानकों पर दोबारा सोचने की अपील की। उन्होंने कहा- पुराने डेवलपमेंट मॉडल ने रिसोर्स छीने, इसे बदलना जरूरी है। वहीं समिट के दूसरे सत्र में पीएम ने भारत के श्री अन्न (मोटा अनाज), जलवायु परिवर्तन, G20 सैटेलाइट डेटा पार्टनरशिप और डिजास्टर रिस्क रिडक्शन पर बात की। दूसरी ओर अफ्रीकी राष्ट्रपति रामफोसा ने 2026 की अध्यक्षता किसी 'खाली कुर्सी' को सौंपने की बात कही है। 2026 में G20 की अध्यक्षता अमेरिका को मिलनी है, लेकिन अब तक कोई अमेरिकी ऑफिशियल समिट में शामिल नहीं हुआ है। ट्रम्प के G20 समिट को बायकॉट करने के बावजूद बाकी देशों ने साउथ अफ्रीका के बनाए घोषणा पत्र को आपसी सहमति से मंजूर कर

लिया है।

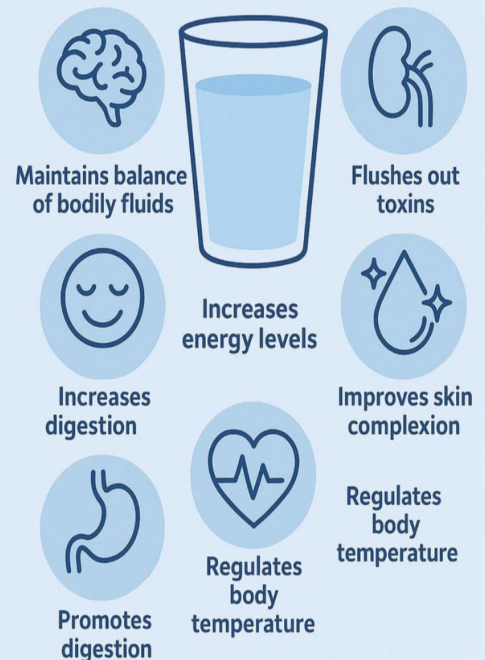
साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने बताया कि सभी देशों का अंतिम बयान पर सहमत होना बेहद जरूरी था, भले ही अमेरिका इसमें शामिल नहीं हुआ।

इटली की प्रधानमंत्री से PM मोदी की द्विपक्षीय वार्ता



शुक्रवार को G20 देशों ने बिना अमेरिकी भागीदारी के ही घोषणा पत्र का ड्राफ्ट तैयार कर लिया था। व्हाइट हाउस के अधिकारी ने इसे शर्मनाक कदम बताया। ट्रम्प ने G20 समिट के मुख्य एजेंडे को भी खारिज कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका चाहता था कि G20 देश गरीब देशों की जलवायु आपदा से लड़ने में मदद करें, साफ ऊर्जा की ओर बढ़ें और विकासशील देशों के कर्ज के बोझ को कम करें।

BENEFITS OF DRINKING WATER



जीवन परिचय : गुरु तेग बहादुर



* **जन्म तिथि:** 1 अप्रैल 1621

* **जन्म स्थान:** अमृतसर, पंजाब

* **पिता:** गुरु हरगोबिंद सिंह (छठे सिख गुरु)

* **माता:** माता नानकी

सिख धर्म के 9 वें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी त्याग, बलिदान और मानवीय मूल्यों के प्रतीक माने जाते हैं। उन्हें “हिंद की चादर” के रूप में सम्मानित किया जाता है क्योंकि उन्होंने न केवल सिखों बल्कि संपूर्ण मानवता के धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा के लिए अपने

प्राणों का बलिदान दिया। * **प्रारंभिक जीवन:** बचपन में इनका नाम त्याग मल था। तलवारबाजी, युद्धसवारी, धनुर्विद्या और धार्मिक शिक्षा प्राप्त की। बचपन से ही शांत, गंभीर, विनम्र और आध्यात्मिक स्वभाव के थे।

* **गुरु पद की प्राप्ति :-** 1664 में गुरु हरकृष्ण जी के निधन के बाद, गुरु तेग बहादुर को सिखों का नवां गुरु बनाया गया।

* **अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष :-** उस समय मुगल शासक औरंगजेब जबर्न धर्म परिवर्तन करवाने का प्रयास कर रहा था। कश्मीर के कश्मीरी पंडितों ने अपनी रक्षा के लिए गुरु तेग बहादुर से सहायता मांगी।

* **गुरुजी ने कहा-** यदि मेरा बलिदान लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता बचा सकता है, तो मैं तैयार हूँ।

* **बलिदान :-** औरंगजेब के आदेश पर गुरुजी को दिल्ली लाया गया।

धर्मांतरण स्वीकार न करने पर 11 नवंबर 1675 को चांदनी चौक, दिल्ली में शहीद कर दिया गया। उनकी शहादत मानवाधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता के इतिहास में अमर है।

* **उपाधियाँ :-** “हिंद की चादर”, “धरम दी चादर”

* **निधन :-** 11 नवंबर 1675

* **स्थान:** दिल्ली (चांदनी चौक) जहाँ गुरुजी ने बलिदान दिया, आज वहीं गुरुद्वारा शीश गंज साहिब स्थित है।

श्रीकृष्ण और द्रौपदी संवाद :



18 दिन के युद्ध के बाद हस्तिनापुर के महल में श्रीकृष्ण पहुंचते हैं। द्रौपदी कृष्ण को देखते ही दौड़कर उनसे लिपट जाती है। श्रीकृष्ण उसके सिर को सहलाते हैं और रोने देते हैं। थोड़ी देर में उसे खुद से अलग करके समीप के पलंग पर बैठा देते हैं। द्रौपदी : यह क्या हो गया सखा ? ऐसा तो मैंने नहीं सोचा था।

श्रीकृष्ण : नियति बहुत क्रूर होती है पांचाली। वह हमारे सोचने के अनुरूप नहीं चलती। वह हमारे कर्मों

को परिणामों में बदल देती है। तुम प्रतिशोध लेना चाहती थी और तुम सफल हुई। द्रौपदी, तुम्हारा प्रतिशोध पूरा हुआ। सिर्फ दुर्योधन और दुशासन ही नहीं बल्कि सारे कौरव मारे गए। तुम्हें तो प्रसन्न होना चाहिए।

द्रौपदी : सखा, तुम मेरे धावों को सहलाने आए हो या उन पर नमक छिड़कने ?

श्रीकृष्ण : नहीं द्रौपदी, मैं तो तुम्हें वास्तविकता से अवगत कराने आया हूँ। हमारे कर्मों के परिणामों को हम दूर तक नहीं देख पाते हैं, और जब वे समक्ष होते हैं तो हमारे हाथ में कुछ नहीं रहता है।

द्रौपदी : तो क्या, इस युद्ध के लिए पूर्ण रूप से मैं ही उत्तरदायी हूँ ?

श्रीकृष्ण : अगर तुम अपने कर्मों में थोड़ी सी दूरदर्शिता रखती तो स्वयं इतना कष्ट कभी नहीं पाती।

द्रौपदी : मैं क्या कर सकती थी ?

श्रीकृष्ण : तुम बहुत कुछ कर सकती थी।

- स्वयंवर में कर्ण को अपमानित नहीं करती।

- कुंती के पाँच पतियों की पत्नी बनने का आदेश स्वीकार नहीं करती।

- अपने महल में दुर्योधन को अंधों के पुत्र अंधे होते हैं, कहकर अपमानित नहीं करती।

शायद तुम्हारा चीर हरण नहीं होता। परिणाम कुछ और होते।

श्रीकृष्ण - द्रौपदी, **हमारे शब्द भी हमारे कर्म होते हैं। हमें अपने हर शब्द को बोलने से पहले तोलना चाहिए। अन्यथा उसके दुष्परिणाम स्वयं को ही नहीं बल्कि अपने पूरे परिवेश को भी दुखी करते रहते हैं। महाभारत हमारे अंदर ही छिपा हुआ है।**

हमारे ऐतिहासिक पर्यटन स्थल— बाग़ की गुफाएं



बौद्ध चट्टान-कट गुफाएं, जो अपनी आकर्षक भित्ति चित्रों और वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध हैं, मध्य प्रदेश के धार जिले के बाघ कस्बे के पास स्थित हैं। ये गुफाएं लगभग 5वीं-6वीं शताब्दी ईस्वी की हैं और मध्य भारत की एक महत्वपूर्ण धरोहर स्थल हैं।

स्थान और इतिहास:- ये गुफाएं विंध्य पर्वत की दक्षिणी ढाल पर बाघनी नदी के किनारे एक लंबवत बलुआ पत्थर की चट्टान में खोदी गई हैं। परंपरा के अनुसार, इन गुफाओं की स्थापना बौद्ध भिक्षु दातक ने की थी और ये संभवतः चौथी से छठी शताब्दी ईस्वी के बीच बनी थीं। मूल रूप से यहाँ नौ गुफाएं थीं, परंतु केवल पांच बची हैं। सभी गुफाएं “विहार” (मठ) हैं जिनकी योजनाकार चालित है और इनमें एक छोटी प्रार्थना हॉल “चैत्य” भी है।

कलात्मक विशेषताएं: बाघ गुफाएं अपनी भित्ति चित्रों के लिए प्रसिद्ध हैं, जिन्हें प्राचीन भारतीय कला की उत्कृष्ट कृतियां माना जाता है। गुफा संख्या 4, जिसे रंग महल कहा जाता है, अपने समृद्ध और संरक्षित चित्रकलाओं के लिए विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इन गुफाओं की डिजाइन और सजावट अजंता गुफाओं से मिलती-जुलती है, जिनमें बौद्ध धर्म का प्रमुख प्रभाव है। पर्यटन और संरक्षण: यह स्थल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा प्रबंधित है और पर्यटकों के लिए खुला है, जिसमें प्रवेश शुल्क और सुविधाएं उपलब्ध हैं। 20वीं सदी में इन गुफाओं और चित्रों के संरक्षण और पुनर्स्थापन के प्रयास शुरू हुए। बाघ गुफाएं कला, आध्यात्म और वास्तुकला का अनूठा संगम हैं, जो इतिहास, पुरातत्व और भारतीय संस्कृति में रुचि रखने वालों के लिए अवश्य देखने योग्य स्थल हैं।

बाघ गुफाओं के प्रमुख गुफा नंबर और उनकी विशेषताएं इस प्रकार हैं:

गुफा संख्या 1 (गृह गुफा): यह पहली गुफा है जिसमें कक्ष, स्तम्भ एवं कोठरियाँ हैं। इसके चित्रों का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो चुका है।

गुफा संख्या 2 (पांडव गुफा): यह सबसे प्रसिद्ध और सुरक्षित गुफा है जिसमें पद्मपाणि बुद्ध का सुंदर

भित्ति चित्र है। इसमें बुद्ध की धर्मचक्र प्रवर्तन मुद्रा, उपदेश देते हुए और बोधिसत्व के चित्र दर्शाए गए हैं। यह गुफा बाघ गुफाओं के सबसे उत्कृष्ट उदाहरणों में से एक है।

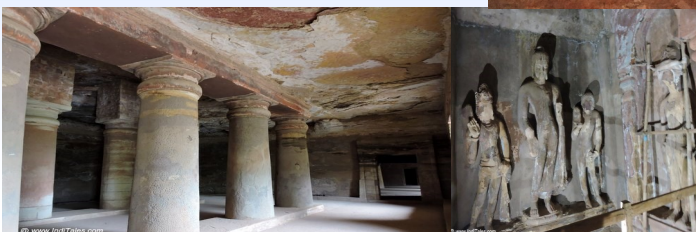
गुफा संख्या 3 (हाथीखाना): इस गुफा का नाम इसके अंदर के हाथी चित्रों के कारण पड़ा।

गुफा संख्या 4 (रंगमहल): इसे “रंगों का महल” भी कहा जाता है। यह भित्ति चित्रों की दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण है जिसमें राजकुमार का चल समारोह, हाथी, घोड़े, संगीत दृश्य आदि चित्रित हैं। गुफा में बौद्ध धर्म और तत्कालीन जीवनशैली की झलकियां मिलती हैं।

गुफा संख्या 5: यह गुफा बौद्ध भिक्षुओं के प्रवचन और सभाओं के लिए बनाई गई थी और छठी गुफा से जुड़ी हुई है।

गुफा संख्या 6: गुफा 5 से जुड़ी हुई है, जिसमें स्तंभों की दो पंक्तियां हैं और भूमिगत जलधारा बहती है।

गुफा संख्या 7, 8, 9: ये गुफाएं अवशेष अवस्था में हैं और इनमें संरक्षण की जरूरत है। इन गुफाओं में बौद्ध धर्म से जुड़े अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक चित्र, शैलकृत स्तूप, बुद्ध प्रतिमा, बोधिसत्व, और नदी देवियों के चित्र अंकित हैं। इनकी कला अजंता गुफाओं के समकालीन और समान शैली की है। गुफाओं के अंदर प्राकृतिक ठंडक का अनुभव होता है, और पानी की धाराएं भी बहती हैं।



राज्य परिचय : राजस्थान

भौगोलिक स्थिति : भारत के उत्तर-पश्चिम भाग में स्थित , क्षेत्रफल कि दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य | इसके पूर्व में उत्तर प्रदेश ; पश्चिम में पाकिस्तान ; उत्तर में पंजाब और हरयाणा ; दक्षिण पूर्व में मध्यप्रदेश और दक्षिण पश्चिम में गुजरात |

थार मरुस्थल और अरावली पर्वतमाला (भारत कि सबसे प्राचीन पर्वत श्रिंखला) राजस्थान में ही स्थित है |

राजधानी : जयपुर

आधिकारिक भाषा : हिंदी

क्षेत्रीय भाषाएँ: राजस्थानी

राज्य पशु : चिंकारा और ऊंट

राज्य पक्षी : गोडावण (Great Indian Bustard)

राज्य फूल : रोहिड़ा

राज्य वृक्ष : खेजड़ी

मुख्य उद्योग: कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था | खनन और पर्यटन भी आय के साधन हैं |

कृषि (Agriculture)- मुख्य फसलें: गेहूं, दालें, तेल-बीज, मोटा अनाज, आदि |

नदी : चंबल, बनास, लूनी (थार के रेगिस्थान में खो जाने वाली नदी), आदि |

पर्यटन स्थल :

जयपुर - हवा महल, सिटी पैलेस, जंतर मंतर, आदि |

उदयपुर - फतेह सागर झील, पिछोला झील, सिटी पैलेस, मानसून पैलेस, आदि |

जोधपुर - मेहरानगढ़ किला, उम्मेद भवन पैलेस, आदि |

जैसलमेर - सोनार किला, थार मरुस्थल (ऊंट कि सफारी), आदि |

बीकानेर - जूनागढ़ किला, करणी माता मंदिर (चूहों वाला मंदिर), आदि |

अजमेर-पुष्कर - अजमेर शरीफ दरगाह, पुष्कर झील, ब्रह्म मंदिर(विश्व में ब्रह्माजी का मंदिर) |

माउंट आबू - दिलवाड़ा जैन मंदिर, गुरु शिखर (अरावली पर्वत कि सबसे ऊँची चोटी) |

केवलादेव राष्ट्रीय उड्डयन, सरिस्का टाइगर रिजर्व, आदि |

हिंदी शब्दार्थ

BASIC ENGLISH VS ADVANCED

1.मृदुल-नर्म, कोमल

2.पात-पत्ता

3.कोमल-मुलायम

4.गात-शरीर

5.कर-हाथ

6.निद्रित-नींद में डूबी

7.चाव-रुचि, शौक

8.सहिष्णु-सहन करने योग्य

9.चौखट-लकड़ी की चौकोर ढांचा

10.कुढ़ना-खीझना

1. Improve = Enhance

2. Sufficient = Adequate

3. Apply = Implement

4. Hard = Arduous

5. Poor = impoverished

6. Rich = Affluent

7. Eliminate = Eradicate

8. Loud = Deafening

9. Smart = Ingenious

Windows Basics: Keyboard Shortcuts

Start Menu	N Ctrl + N New Window	ALT Alt + Esc Switch between applications on taskbar
A Ctrl + A Select All	O Ctrl + O Open a file	TAB Alt + Tab Switch between Open Apps
B Win + B Highlight the Notification Area	P Ctrl + P Print options	F1 F1 Universal help
C Ctrl + C Copy Selected Item	Q Win + Q Open Search	F2 F2 Rename the Selected Item
D Win + D Show Desktop	R Win + R Run	F3 F3 Search for a File or Folder in Explorer
E Win + E Open File Explorer	S Ctrl + S Save File	F4 Alt + F4 Exit the Active App
F Ctrl + F Find Text/Item	V Ctrl + V Paste Selected Item	F5 F5 Refresh
I Win + I Open Windows Settings	X Ctrl + X Cut Selected Item	ESC Ctrl + Shift + Esc Open Task Manager
L Win + L Lock the computer	Y Ctrl + Y Redo an Action	ESC Esc Stop the current task
PrtScr Take screenshot and copy it to the clipboard	Z Ctrl + Z Undo an Action	DEL Shift + Del Delete programs permanently

कूनो में खुशी लहर



कूनो नेशनल पार्क में भारतीय मूल की मादा चीता मुखी ने पांच स्वस्थ शावकों को जन्म दिया, जो भारत के लिए गर्व का क्षण है। यह पहली बार है कि भारत में जन्मी किसी चीता ने देश में सफल प्रजनन किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि मुखी का स्थानीय अनुकूलन उसे पहली सफल भारतीय मूल की प्रजननक्षम चीता बनाता है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि भारत आत्मनिर्भर चीता जनसंख्या के लक्ष्य के करीब है।

WORLD BOXING CUP FINALS 2025 HISTORIC PERFORMANCE



वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में भारत का शानदार प्रदर्शन 9 गोल्ड मेडल्स सहित 20 मेडल्स जीत कर रचा इतिहास। प्रधानमंत्री मोदी ने दी शुभकामनाएं। हमारे एथलीटों ने विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल 2025 में एक असाधारण रिकॉर्ड तोड़ा, 2025 विश्व मुक्केबाजी कप 31 मार्च से 22 नवंबर 2025 तक ब्राजील के फोज डू इगुआकू में आयोजित किया गया था। यह विश्व मुक्केबाजी कप का पहला संस्करण था। 19 देशों के पुरुषों और महिलाओं के

हमारे पर्व - विवाह पंचमी (राम-सीता)

श्री राम और माता सीता का विवाह रामायण का एक प्रमुख प्रसंग है। यह विवाह मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है, जिसे विवाह पंचमी कहते हैं। विवाह की कथासीता के स्वयंवर में राजा जनक ने घोषणा की कि जो शिव जी का धनुष उठा लेगा, उसी से सीता का विवाह होगा। भगवान श्री राम ने शिव जी के धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाई और धनुष टूट गया, जिससे उन्होंने स्वयंवर जीत लिया। राजा जनक ने राजा दशरथ को समाचार भेजा और उन्हें जनकपुर बुलाया। राजा दशरथ अपने चारों पुत्रों के साथ जनकपुर पहुँचे। श्री राम का विवाह सीता से, भरत का माण्डवी से, लक्ष्मण का उर्मिला से और शत्रुघ्न का श्रुतकीर्ति से हुआ। विवाह समारोह में देवता, ऋषि-मुनि और सभी लोग उपस्थित थे। राजा जनक ने राम के चरण पखारकर कन्यादान किया और चारों नव जोड़ों को आशीर्वाद मिला। विवाह का स्थान और विशेषताएँ विवाह मिथिला में हुआ था। श्री राम और सीता की पहली मुलाकात पुष्प वाटिका में हुई थी, जहाँ दोनों एक दूसरे को देखकर मोहित हो गए। इस विवाह को आदर्श वैवाहिक जीवन का प्रतीक माना जाता है। श्री राम और माता सीता का विवाह धर्म, नैतिकता और प्रेम का अद्भुत उदाहरण है, जिसे आज भी लाखों लोग श्रद्धा से मनाते हैं।

धर्म ध्वजारोहण अयोध्या में श्री राम मंदिर परिसर में होने वाला एक महत्वपूर्ण धार्मिक समारोह है। यह कार्यक्रम 25 नवंबर 2025 को आयोजित किया गया था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ध्वजारोहण किया।



दशावतार - द्वितीय, कूर्म अवतार



कूर्म अवतार भगवान विष्णु का दूसरा अवतार माना जाता है। कूर्म का अर्थ होता है, कछुआ। यह अवतार समुद्र मंथन के समय प्रकट हुआ था।

कथा - देवताओं और राक्षसों में आपसी मतभेद के कारण शत्रुता बढ़ गई थी और दोनों पक्षों में संघर्ष होता रहता था। राक्षसों के आक्रमण से भयभीत देवता भगवान विष्णु जी की शरण में गए, तो भगवान विष्णु ने उन्हें सलाह दी कि तुम लोग दानवराज बली से प्रेमपूर्वक मिलो और उसको अपना नेता मानकर समुद्र मंथन की तैयारी करो। समुद्र मंथन के अंत में अमृत निकलेगा उसे पीकर तुम लोग अमर हो जाओगे।

मंथन के लिए मंदरा पर्वत को मथनी और वासुकी नाग को रस्सी बनाया गया। वासुकी नाग के सिर की तरफ असुर और पूँछ की तरफ देवता खड़े हुए।

जैसे ही मंथन शुरू हुआ मंदरा पर्वत समुद्र में डूबने लगा। यह देखकर देवता और असुर दोनों घबरा गए। तब भगवान विष्णु ने तुरंत ही एक विशाल कछुए (कूर्म) का रूप धारण किया और समुद्र के तल में चले गए। उन्होंने मंदरा पर्वत को अपनी विशाल और मजबूत पीठ पर उठा लिया, जिससे वह डूबने से बच गया। कूर्म की पीठ पर मंदरा पर्वत एक आधार की तरह घूमता रहा, और मंथन जारी रहा। मंथन के दौरान समुद्र से एक-एक करके 14 बहुमूल्य रत्न निकले। मंथन से निकले हलाहल विष को पीकर भगवान शिव नीलकंठ कहलाए।

धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए, तो असुरों ने उसे छीन लिया। तब भगवान विष्णु ने मोहिनी नामक एक सुंदर स्त्री का रूप धारण किया और अपनी मोहिनी माया से असुरों को मोहित करके अमृत देवताओं को पिला दिया। इस प्रकार, देवताओं ने अपनी शक्ति और अमरता वापस प्राप्त की।

कूर्म अवतार का मुख्य उद्देश्य समन्वय और सहायता का प्रतीक है। जब भी धर्म संकट में होता है, भगवान उसे बचाने आते हैं।

-साभार - स. प्रा. पूजा कुशवाह, रसायनशास्त्र विभाग

घायल गिद्ध की हौसलों की उड़ान



घायल गिद्ध ने 15,000 किलोमीटर की उड़ान भरकर भारत-कजाकिस्तान-भारत की ऐतिहासिक यात्रा पूरी की यह गिद्ध 15,000 किलोमीटर से अधिक की यात्रा कर चुका है, तथा कजाकिस्तान से होते हुए भारत वापस आने तक कई देशों से होकर गुजरा है। जबकि भारत मणिपुर से अफ्रीका के लिए छोड़े गए फाल्कन अमूर की मैराथन उड़ान का जश्न मनाने में व्यस्त था, जिसने छह घंटों में 6,000 किलोमीटर की दूरी तय की, एक अन्य प्रवासी

पक्षी ने कुछ और अधिक कठिन काम किया।

जनवरी 2025 में, एक घायल यूरेशियन ग्रिफॉन गिद्ध को भारत के विदिशा के जंगलों से बचाया गया था। चिकित्सा उपचार के बाद, इस पक्षी को मार्च में वापस जंगल में छोड़ दिया गया और तब से यह एक असाधारण यात्रा पर निकल पड़ा है।

संपादन मंडल :

Patron - Dr. R. K. Patidar
Director, AIMS

Prof. Yashpal Vyas Ph. D.
Principal, AIMS

Asst. Prof. Priyanka Tiwari
Dept. of History, AIMS

Asst. Prof. Rani Sharma
Dept. of Computer Sc., AIMS

Asst. Prof. Neha Verma
Dept. of Botany, AIMS

Contributors:
Asst. Prof. Pawan Patidar
Dept. of Zoology, AIMS

Asst. Prof. Sheetal Rathod
Dept. of Commerce, AIMS

Asst. Prof. Yash Karma
Dept. of Physics, AIMS

Asst. Prof. Pramod Bamanian
Dept. of Zoology, AIMS